

संगीत नाट्य अकादमी अवार्ड से सम्मानति हुए बाँसुरी वादक पंडति चेतन जोशी

चर्चा में क्यों?

23 फरवरी, 2023 को देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने नई दलिली में झारखंड के बोकारो ज़िले के प्रसिद्ध बाँसुरी वादक पंडति चेतन जोशी को संगीत नाट्य अकादमी अवार्ड-2019 के पुरस्कार से सम्मानति कथि।

प्रमुख बदि

- पंडति चेतन जोशी भारतीय शास्त्रीय संगीत के जाने-माने बाँसुरी वादकों में गनि जाते हैं। 25 साल से बोकारो उनकी कर्मभूमि है। संगीत जगत में उनके योगदान को देखते हुए उन्हें यह अवार्ड मलि है।
- बाँसुरी वादक के रूप में पंडति चेतन जोशी के करियर की शुरुआत 1987 में सेक्टर पाँच के श्री गुरु गोवदि सहि वदियालय में बतौर संगीत शकिषक हुई। 1988 में वहाँ से दलिली पब्लिक स्कूल सेक्टर-चार में संगीत शकिषण कार्य के लथि आए। डीपीएस बोकारो में जनवरी 2012 तक वह वभिन्न पदों पर कार्यरत रहे, उसके बाद 2012 से ही ग्रेटर नोएडा में रहकर भारतीय शास्त्रीय संगीत तथा बाँसुरी प्रचार-प्रसार में लगे हुए हैं।
- पंडति जोशी ने बाँसुरी बजाने की अद्वितीय शैली को वकिसति कथि और यही उनकी पहचान बनी। उनके द्वारा वकिसति की गई एक ही बाँसुरी में साढ़े तीन सप्तक बजाने की पद्धति का उल्लेख अब तक कई शोध पत्रों में प्रकाशति हो चुका है।
- पंडति चेतन जोशी को झारखंड सरकार की ओर से राज्य का सर्वोच्च कला सम्मान राजकीय सांस्कृतिक सम्मान-2006 भी मलि चुका है। उन्हें सुरमनी बसिमलिलाह सम्मान, सरस्वती सम्मान, महाराज स्वातिथिनुनाल अवार्ड, स्वर समाज सेवा अवार्ड, कला रत्न सम्मान, संगीत गौरव अवार्ड, संगीत भारती अवार्ड, तेजस्वी सम्मान भी मलि चुका है।